Raga of the Month July 2026 Raga Bhuvaneshwari

राग भुवनेश्वरी

इस रागकी मूल संकल्पना एवं निर्मिती स्वर्गीय छोटा गंधर्व जी की है। इस राग में पंचम वर्जित है, मध्यम तीव्र, निषाद कोमल और ऋषभ, गंधार और धैवत स्वर शुद्ध लगते हैं। इस रागका वर्गीकरण हिंदुस्तानी पद्धतीके किसी थाटमे कर नहीं सकते। कर्नाटक पद्धतीके मेलकर्ता नंबर 64 "वाचस्पति " से यह राग उत्पन्न हुआ है। कर्नाटक पद्धतीमें कोमल निषाद और शुद्ध मध्यम स्वरोंसे बना हुआ मेलकर्ता "हरिकांभोजी" नंबर 28 है, जो हिंदुस्तानी पद्धतिमे खमाज थाट नामसे प्रचलित है। इस लिए राग भुवनेश्वरी और खमाज थाटसे जन्य राग रागेश्री में सिर्फ मध्यमका अंतर है। (कर्नाटक संगीतमे भुवनेश्वरी नामका एक राग प्रचारमे है, मगर उसका स्वरुप भिन्न है।)

आरोह : सा ग मं ध नि सां । अवरोह : सां नि ध मं ग रे सा ।

आज के ऑडियो में पंडित छोटा गंधर्व जी ने गायी हुई राग भुवनेश्वरी में एक बंदिश सुनेंगे।

आभार - पंडित विश्वनाथ ओक, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद),

पंडित यशवंत महाले.

01-07-2026.

Link to the list of 180+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx